(Pages : 3)

D – 3726

Reg. No. : .....

Name : .....

Third Semester M.A. (Hindi) Degree Examination, January 2018
HL 231 : MODERN POETRY UPTO PRAGATIVAD
(2015 Admn.)

Time : 3 Hours

Max. Marks : 75

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए ।

(10×1=10 Marks)

1) 'कामायनी: एक पुनर्विचार' किसकी रचना है ?
(रामस्वरूप चतुर्वेदी, मुक्तिबोध, शिवदानसिंह चौहान, नामवर सिंह)

2) ''चार दिन सुखद चाँदनी रात/और फिर अंधकार अज्ञात।'' – किसकी पंक्तियाँ हैं ?
(महादेवी वर्मा, अज्ञेय, प्रसाद, पंत)

3) महादेवी वर्मा को किस काव्य संग्रह के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला ?
(यामा, दीपशिखा, सान्ध्यगीत, नीहार)

4) 'यात्री' उपनाम से मैथिली में लिखनेवाले कवि कौन थे ?
(त्रिलोचन, केदारनाथ अग्रवाल, शिवमंगलसिंह सुमन, नागार्जुन)

5) 'पंतजी और पल्लव' किस महान कवि की रचना है ?
(प्रसाद, निराला, दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त)

6) 'फूल नहीं रंग बोलते हैं' किसका काव्य संकलन है ?
(केदारनाथ अग्रवाल, भगवतीचरण वर्मा, नवीन, माखनलाल चतुर्वेदी)

7) 'कामायनी' का प्रकाशन वर्ष ?
(1934, 1935, 1938, 1937)

8) 'पुरूरवा' दिनकर के किस काव्य–कृति का पात्र है ?
(रश्मिरथी, कुरुक्षेत्र, हुंकार, उर्वशी)

9) निम्नलिखित में प्रगतिवादी कवि कौन है ?
(शिवमंगल सिंह सुमन, हरिऔध, रामनरेश त्रिपाठी, बच्चन)

10) 'हेमंत' किसकी पहली कविता है ?
(सुमित्रानन्दन पंत, मैथिलीशरण गुप्त, दिनकर, नागार्जुन)

P.T.O.

gcwcentrallibrary.in

II. किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए । **(2×5=10 Marks)**

1) 'कामायनी' का दर्शन ।

2) 'वह तोड़ती पत्थर' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ ।

3) 'नौका विहार' की जीवन दृष्टि ।

4) 'प्रेत का बयान' का शिल्पगत वैशिष्ट्य ।

III. किसी **एक** पर निबंध लिखिए । **(1×10=10 Marks)**

1) प्रगतिवादी कविता के अभिव्यंजना कौशल पर प्रकाश डालिए ।

2) 'रश्मिरथी' की प्रासंगिकता को रेखांकित कीजिए ।

IV. किन्हीं **दो** प्रश्नों पर निबंध तैयार कीजिए । **(2×10=20 Marks)**

1) ''कामायनी आधुनिक जीवन का महाकाव्य है।''-कथन पर तर्कपूर्ण राय प्रकट कीजिए ।

2) 'सरोज स्मृति' के माध्यम से निराला के कृतित्व पर समीक्षात्मक लेख लिखिए ।

3) छायावाद के चार स्तंभों में महादेवी वर्मा का स्थान निर्धारित कीजिए ।

4) 'साकेत' का नवम सर्ग मैथिलीशरण गुप्त की काव्य-कला का प्रस्थान-बिन्दु है-कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

V. किन्हीं **पाँच** अवतरणों पर सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(5×5=25 Marks)**

1) इतनी बड़ी पुरी में, क्या ऐसी दु:खिनी नहीं कोई ?
जिसकी सखी बनूँ मैं, जो मुझ-सी हो हँसी-रोई ?

2) स्वयं देव थे हम सब, तो फिर क्यों न विश्रृंखल होती सृष्टि ?
अरे अचानक हुई इसी से कड़ी आपदाओं की वृष्टि ।
गया, सभी कुछ गया, मधुरतम सुर-बलाओं का श्रृंगार,
उषा ज्योत्स्ना-सा यौवन-स्मित मधुप-सदृश निश्चिंत विहार ।

3) लौटी रचना लेकर उदास
ताकता हुआ मैं दिशाकाश
बैठा प्रांतर में दीर्घ प्रहर
व्यतीत करता था गुन-गुन कर ।

gcwcentrallibrary.in

4) कितनी बीतीं पतझारें
कितने मधु के दिन आये,
मेरी मधुमय पीड़ा को
कोई पर ढूँढ न पाये !

5) निर्दय उस नायक ने/निपट निठुराई की
कि झोंकों की झाडियों से
सुन्दर सुकुमार देह सारी झकझोर डाली,
मसल दिए गोरे कपोल गोल ।

6) बड़े अच्छे मास्टर हो !
आए हो मुझको भी पढाने !!
मैं भी बच्चा हूँ . . . . . .
वाह भाई वाह !
तो तुम भूख से नहीं मरे ?

7) किंतु नहीं वे प्रेमी आये
और मछलियाँ सूख गयी हैं--कंकड़ हैं अब ।
आह ! जहाँ मीनों का घर था
वहाँ बड़ा मैदान हो गया ।।

8) तुम्हें समझते लोग मात्र लोहे का पुर्जा
भावशून्य भौतिकवादी पशु
नहीं जानते
नहीं जानते ।

gcwcentrallibrary.in